

प्रेषक,

कुँवर सिंह,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास
एवं निर्माण निगम,
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक 8 दिसम्बर, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2005-06 में नगरीय पेयजल योजनाओं के निर्माण हेतु वित्तीय स्वीकृति ।
महोदय,

उपरोक्त विषयक राज्य सचिव की नगरीय पेयजल योजनान्तर्गत रामनगर नगरीय पेयजल योजना के निर्माण हेतु शासनादेश संख्या 532/नौ-2-(14पे0)/2001 दिनांक 29 मार्च, 2003 द्वारा रु० 50.00 लाख तथा शासनादेश संख्या 781/नौ-2-(47पे0)/2003, दिनांक 29 मार्च, 2004 के द्वारा रु० 74.00 लाख अर्थात् कुल रु० 124.00 लाख की धनराशि आवंटित की जा चुकी है। पुनः तद्विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 4967/ धनवटन प्रस्ताव/ दिनांक 10.11.2005 के संदर्भ में मूत्रे यह कहने का निदेश हुआ है कि रामनगर नगरीय पेयजल योजना हेतु रु० 50.00 लाख (रु० पचास लाख मात्र) की धनराशि श्री राज्यपाल महोदय भालू वित्तीय वर्ष 2005-06 में व्यय हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके, आवश्यकतानुसार किरतों में आहरित की जायेगी तथा आहरण से सम्बन्धित वाउचर संख्या व दिनांक की सूचना महालेखाकार उत्तरांचल, देहरादून तथा शासन को तुरन्त उपलब्ध करा दी जायेगी। यदि योजना पर पूर्ण स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग नहीं हुआ है तो योजना के लिए पूर्ण स्वीकृत धनराशि का 80 प्रतिशत उपयोग हो जाने के उपरान्त ही स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि जिन निर्माण कार्यों पर व्यय की जायेगी उन कार्यों की लागत के सापेक्ष 2000 शासन की वित्त (सेवा) अनुभाग-2 के शासनादेश सं०-ए-2-87(1) दस-97-17 (4)/75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार 12.5 प्रतिशत की धनराशि ही सीटेंज चार्जेज के रूप में अनुमन्य होगी। धनराशि व्यय

करने से पूर्ण प्रयत्न निश्चित, यह भी सुनिश्चित कर लेंगे कि अगुक्त कार्यों पर पूर्व में व्यय की गयी धनराशि को सामायोजित करने हुए सैटेज चार्जेज किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक व्यय नहीं होगा। कृपया इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कर लें।

4- उक्त स्वीकृत धनराशि का आवंटन समन्वित योजना के कार्यों पर ही किया जायेगा तथा धनराशि के आवंटन में पुनर्मा धारान को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करा दी जाय। इसके अतिरिक्त कार्यों की मासिक/त्रैमासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति समारामय धारान को उपलब्ध करा दी जाय। स्वीकृत धनराशि ऐसी योजनाओं पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति न हो अथवा जो विवादास्पद हैं। धन का उपयोग उन्ही योजनाओं पर किया जाय जिनके लिये स्वीकृति दी जा रही है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय न की जाय।

5- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2006 तक पूर्ण उपयोग कर समयोहिता प्रमाणपत्र धारान को प्रस्तुत करने जाने के उपरान्त ही आगामी किश्त अधूरी योजनाओं पर अवगुक्त की जायगी।

7- व्यय करने के पूर्व कन्ट्रोल मैनुअल फर्माइंग समल हेण्डबुक नियमों, टैंडर एवं अन्य स्थानीय आदेशों के अंतर्गत शारकीय प्रमाण अन्य सक्षम अधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यों पर व्यय करने से पूर्व आगणनों पर सक्षम अधिकारी की प्रातिधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

9- उक्त व्यय मालू निम्नोक्त वर्ष 2005 का य अनुदान सं0-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक 2215-जलपूर्ति तथा सफाई का-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलपूर्ति कार्यका-05-नगरीय पेयजल का नगरीय पेयजल योजनाओं का पुनर्गठन, जीर्णोद्धार, सुदृढीकरण हेतु अनुदान-20-सहायक अनुदान/अनुदान/सज सहायता के नामे डाला जायगा।

10- यह आदेश निम्न विभाग की अशासनिक सं0-188/XXVII (2)/2005 दिनांक 07 दिसम्बर, 2005 में प्राप्त उन्ही के मांच से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(कुँवर सिंह)
अपर सचिव

संख्या-50/स-सीस(2)/05-2/(25.01/2005,तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नालिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- गण्डलाशुक्ल, नुमायूँ, नैनीताल।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून/नैनीताल
- 4- वरिष्ठ कौषाधिकारी, देहरादून।
- 5- मुख्य महापंचायक, उत्तरांचल जलसंधन निगम, देहरादून / महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संधन, नैनीताल
- 6- मुख्य अभियन्ता, नुमायूँ, उत्तरांचल जलसंधन निगम, नैनीताल।
- 7- वित्त अनुभाग-3/ वित्त बजट एवं नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन,।
- 8- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री।।
- 9- स्टाफ ऑफिसर, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन
- 9- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, देहरादून।
- 10- निदेशक एन०आई०सी०, सचिवालय पन्थर, देहरादून।

आज्ञा से

(सुनीलश्री पांथरी)
अनु सचिव